● सुनो और गाओ :

२. बसंती हवा

– केदारनाथ अग्रवाल

जन्म : १ अप्रैल १९११, **मृत्यु :** २२ जून २००० **रचनाएँ :** 'देश-देश की कविताएँ', 'अपूर्वा', 'आग का आईना', 'पंख और पतवार', 'पुष्पदीप' आदि । **परिचय :** आप छायावादी युग के प्रगतिशील कवि माने जाते हैं ।
प्रस्तुत कविता 'बसंती हवा' में मस्ती भरे शब्दों द्वारा हवा की अठखेलियों का विवरण दिया है ।

स्वयं अध्ययन

(१) नीचे दिए गए चित्रों की सहायता से प्राकृतिक सुंदरता दर्शाने वाला एक चित्र बनाकर उसमें रंग भरो ।
(२) अपने चित्र के बारे में बोलो ।

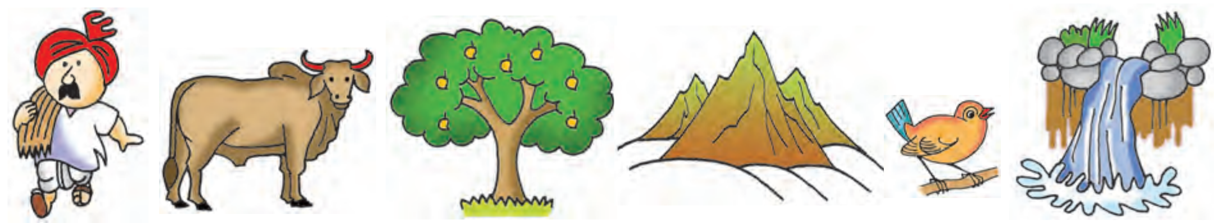

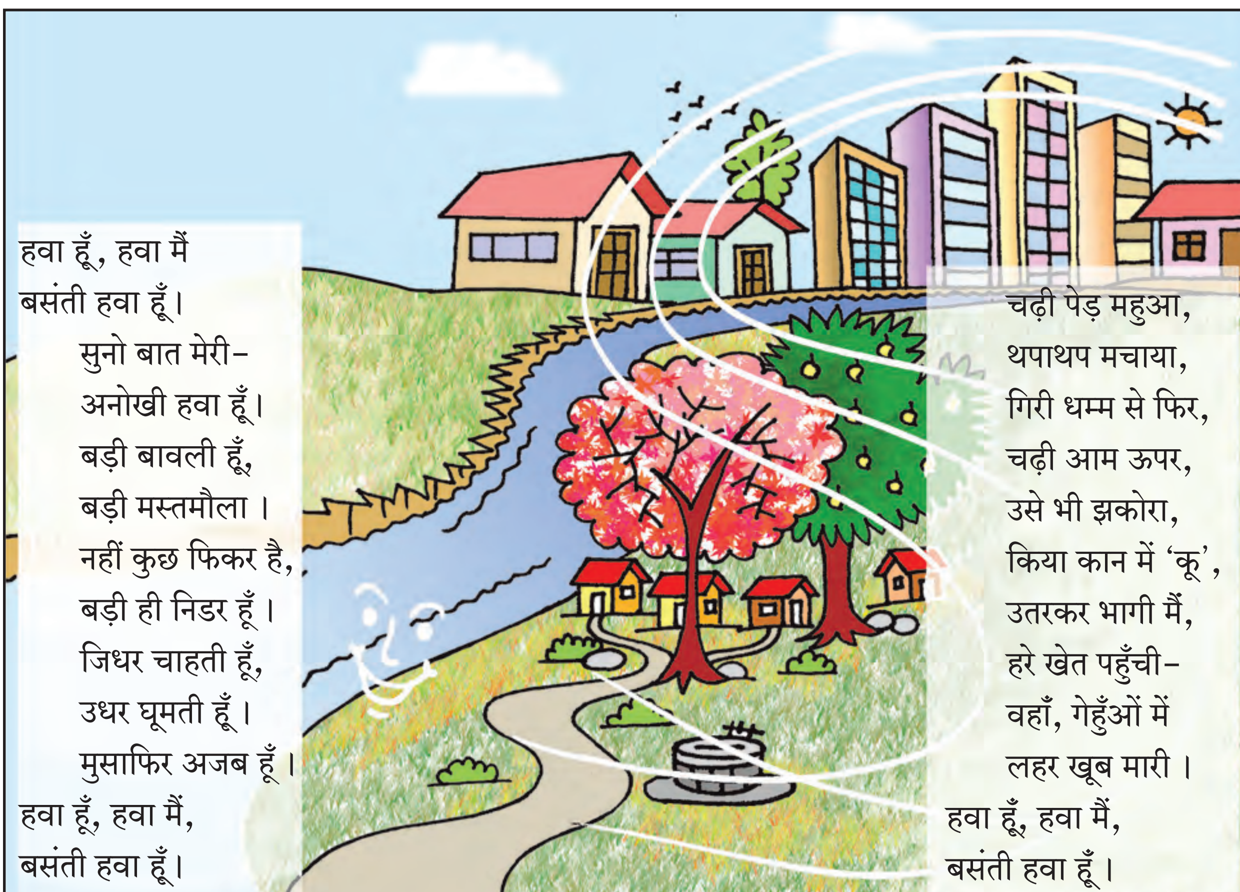

हवा हूँ, हवा मैं
बसंती हवा हूँ।
सुनो बात मेरी–
अनोखी हवा हूँ।
बड़ी बावली हूँ,
बड़ी मस्तमौला ।
नहीं कुछ फिकर है,
बड़ी ही निडर हूँ ।
जिधर चाहती हूँ,
उधर घूमती हूँ ।
मुसाफिर अजब हूँ ।
हवा हूँ, हवा मैं,
बसंती हवा हूँ।

चढ़ी पेड़ महुआ,
थपाथप मचाया,
गिरी धम्म से फिर,
चढ़ी आम ऊपर,
उसे भी झकोरा,
किया कान में 'कू',
उतरकर भागी मैं,
हरे खेत पहुँची–
वहाँ, गेहुँओं में
लहर खूब मारी ।
हवा हूँ, हवा मैं,
बसंती हवा हूँ ।

❑ उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता पाठ करें। विद्यार्थियों से व्यक्तिगत, गुट में सस्वर पाठ कराएँ। प्रकृति की अप्रतिम सुंदरता का वर्णन करते हुए इसे बनाए रखने के लिए उपाय पूछें । हवा की आवश्यकता, महत्त्व बताते हुए उसके कार्य पर चर्चा करें ।

जरा सोचो .... बताओ

यदि प्रकृति में सुंदर – सुंदर रंग नहीं होते तो ....

पहर दो पहर क्या,
अनेकों पहर तक
इसी में रही मैं !
खड़ी देख अलसी
लिए शीश कलसी
मुझे खूब सुझी–
हिलाया–झुलाया
गिरी पर न कलसी !
इसी हार को पा,
हिलाई न सरसों,
झुलाई न सरसों,
हवा हूँ, हवा मैं,
बसंती हवा हूँ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

बावली = सीधी–सी, अपनी धुन में
मस्तमौला = मनमौजी
फिकर = चिंता
महुआ = एक प्रकार का वृक्ष
झकोरा = झोंका
पहर = प्रहर
अलसी, सरसों = तिलहन के प्रकार
कलसी = गगरी

भाषा की ओर

दिए गए शब्दों के लययुक्त शब्द लिखो ।

- हवा – ....
- बावली – ....
- सरसों – बरसों
- अलसी – ....
- महुआ – ....

❑ प्राकृतिक आपदाओं (भूकंप, बाढ़, अकाल आदि) से बचाव के उपाय बताएँ और विद्यार्थियों से कहलवाएँ । अन्य कविता सुनाएँ, दोहरवाएँ, इसमें सभी को सहभागी करें । प्रकृति के संतुलन एवं संवर्धन संबंधी जानकारी दें, प्रत्येक के सहयोग पर चर्चा करें ।

❑ **कृति/प्रश्न हेतु अध्यापन संकेत –** प्रत्येक कृति/प्रश्न को शीर्षक के साथ दिया गया है । दिए गए प्रत्येक कृति/प्रश्न के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध करें । क्षमताओं और कौशलों के आधार पर इन्हें विद्यार्थियों से हल करवाएँ । आवश्यकतानुसार विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए अन्य शिक्षकों की भी सहायता प्राप्त करें । ‘दो शब्द’ में दी गई सूचनाओं का पालन करें ।

खोजबीन

ऋतुओं के नाम बताते हुए उनके परिवर्तन की जानकारी प्राप्त करो और लिखो ।

सुनो तो जरा

त्योहार संबंधी कोई एक गीत सुनो और दोहराओ ।

बताओ तो सही

'शालेय स्वच्छता अभियान' में तुम्हारा सहयोग बताओ ।

वाचन जगत से

कविवर सुमित्रानंदन पंत की कविता का मुखर वाचन करो ।

मेरी कलम से

सप्ताह में एक दिन किसी कविता का सुलेखन करो ।

* रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :

१. नहीं कुछ .... है ।

२. गिरी .... से फिर, चढ़ी आम ऊपर ।

३. वहाँ, ... में, लहर खूब मारी ।

४. हिलाया-झुलाया गिरी पर न .... ।

सदैव ध्यान में रखो

प्लास्टिक, थर्माकोल आदि प्रदूषण बढ़ाने वाले घटकों का उपयोग हानिकारक है ।

विचार मंथन

।। हवा प्रकृति का उपहार, यही है जीवन का आधार ।।

अध्ययन कौशल

वायुमंडलीय स्तर दर्शाने वाली आकृति बनाओ ।

* दर्पण में देखकर पढ़ो ।

KJ3SPG

पहचानो हमें